# पौधारोपण

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज०)
(विज्ञान संकाय नया परिसर)

मेंटर
डॉ० एस० एल नामा
(सहायक आचार्य प्राणीशास्त्र

ग्रुप लीडर
नाम - भाग्यश्री
कक्षा - एम० एससी प्राणीशास्त्र
सेमेस्टर - प्रथम

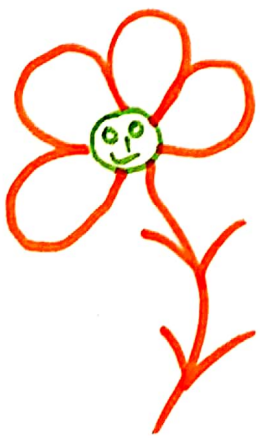

Scanned with CamScanner

# * आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट *

कॉलेज का नाम - विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

परियोजना का शीर्षक - पौधारोपण

मेंटर का नाम - डॉ. एस. एल. नामा

विद्यार्थी / ग्रुप लीडर का नाम - भाग्यश्री

कक्षा - एम. एससी प्राणी विज्ञान

सेमेस्टर - प्रथम सेमेस्टर

प्रतिभागियो का वितरण

| क्र.स. | प्रतिभागियो का नाम | मोबाइल नंबर | हस्ताक्षर |
|---|---|---|---|
| 1 | दिव्या चौधरी | 9772331111 | Divya |
| 2 | कविता | 9649241999 | Kavita |
| 3 | पुजा जीनगर | 8094904640 | Pooja |
| 4 | मीना | 8239602134 | meena |
| 5. | भाग्यश्री | 9509725579 | Bhagya |
| 6 | रेणु | 8209891980 | Renu |
| 7 | ललित | 7014760794 | lalit |

Scanned with CamScanner

परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में किया गया है :

1. प्रस्तावना :
2. आभार :
3. अध्याय :

(i) परियोजना का परिचय
(ii) परियोजना का उद्देश्य
(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
(iv) गतिविधियां और समयावधि
(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरिक्षण का वितरण

| छात्रों के नाम | और हस्ताक्षर |
|---|---|
| 1. दिव्या चौधरी | Divya |
| 2. कविता | Kavita |
| 3. पुजा जीनगर | Pooja |
| 4. मीना | meena |
| 5. भाग्यश्री मीणा | Bomeny |
| 6. रेणु | Renu |
| 7. ललित | lalit |

Designer

Scanned with CamScanner

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1.) प्रस्तावना :- प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

→ आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए हैं और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं।

→ इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया।

2.) आभार :- इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हमारे विश्वविद्यालय के डॉ एस. एल नमा सर का योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से अका आभार व्यक्त करते हैं।

3.) अध्याय :-

(1) प्रोजेक्ट का परिचय :- राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में आनन्दम् कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा निर्देश दिए गए।

Designer
Scanned with CamScanner

* कार्य चिन्हित क्षेत्र :-

→ सभी ग्रुप के सदस्यों द्वारा पौधा रोपण किया गया ; स्कूल जाकर करके सदस्यों द्वारा पौधो, पेड़ का महत्व बताया।

→ कुछ ग्रुप के सदस्यों ने अपने घर के पास पौधों को लगाया। जबकि रेनु, दिव्या, खुशबु, कविता ने अपने घर के पास आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जाकर पौधा रोपण किया।

- आदर्श माध्यमिक विद्यालय, प्रतापनगर
- अशोक उद्यान, सन्त पूर्ण बालाजी
- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर

प्रोजेक्ट का उद्देश्य :-

→ "पेड़ पौधों को बचाओ अगली पीढ़ी के लिए"

पेड़-पौधों का महत्व इसीलिए है, क्योंकि ये जीवनदायी है, हमें प्राणवायु देते हैं।

यदि ये ही नहीं रहेंगे तो फिर हमारा भविष्य कैसा होगा। इसका महत्व अगली पीढ़ीयों को जानना जरूरी है। मानव कृत्यों ने पहले ही इस धरती को बहुत नुकसान किया है।

गतिविधियाँ, व प्रक्रिया :- सदस्यों ने 2-2 के समूह बनाए। एक समूह ने नर्सरी से पौधो तथा गमले लाने का कार्य, तो दूसरे समूह ने उन्हें लगाने का कार्य किया।

→ एक समूह ने चार्ट व प्रोजेक्ट तैयार किए बच्चों को समझाने के लिए तथा दूसरे समूह ने स्कूलों में जाकर करके बच्चों को समझाने व पौधो का महत्व समझाने का कार्य किया।

Designer

Scanned with CamScanner

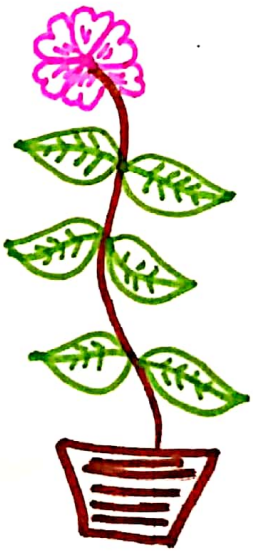

Scanned with CamScanner

" आओ मिलकर
पेड़ लगायें "

" पेड़ पृथ्वी का आभूषण हैं,
इससे ही तो इसमें जीवन हैं "

Scanned with CamScanner

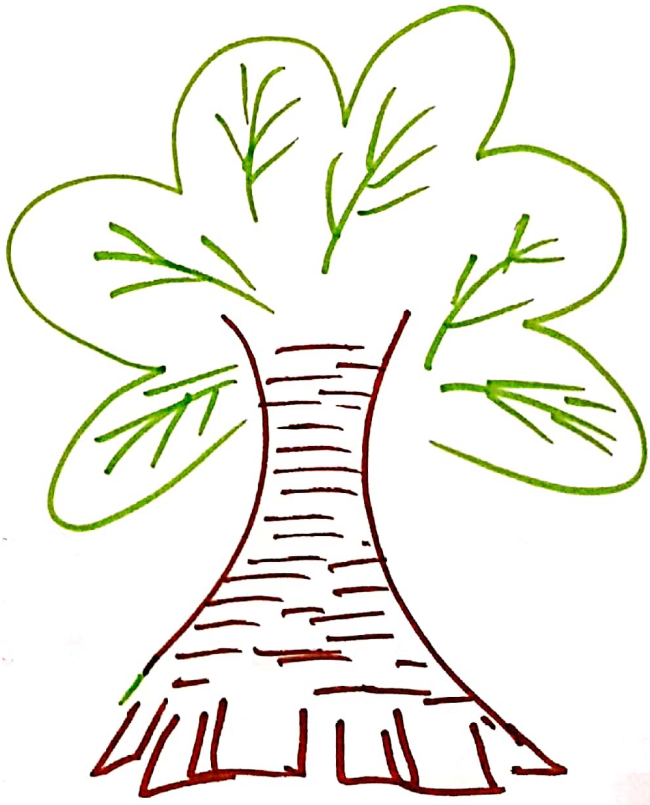

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुभव का वितरण :-

→ परियोजना के अंतर्गत हम लोग बच्चों एवं लोगों से मिलें।
उनसे जाना कि पेड़-पौधों का उनके जीवन में क्या महत्व हैं।

→ बच्चों से जाना कि उन्हें कौनसा पेड़-पौधों को लगाना अच्छा लगता हैं। कुछ का जवाब बहुत अच्छा था कि उन्हें नीम का पेड़ अच्छा लगता है। नीम की निंबोली अच्छी व नीमजर को काजल बनाने में उपयोग लेते हैं।

→ इस प्रकार संवाद किया और जाना कि वो लोग किस प्रकार से मदद कर सकते हैं।
पर्यावरण को बचाने में, प्रदूषण मुक्त करने में।

→ बढ़ती वैश्विक ताप, गलते ग्लेशियर ने यह जरूरी कर दिया हैं कि हमारा ध्यान पर्यावरण को बचाने में भी हो।

→ यदि यह समय रहते नहीं किया तो परिणाम और भी भयानक होंगे।

→ हर मनुष्य का "मानव धर्म हैं" कि वह पर्यावरण को बचाने व संरक्षित करने में योगदान दें।

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner